Exam. Code: 0008
Sub. Code: 0660

2053

B.A./B.Sc.(Hons.)-4th Semester

Sanskrit

Paper-II [Opt.(i)]: Bhas

me allowed: 3 Hours | Max. Marks: 90

: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

-*-*-*-

प्रश्न–१ :अधोलिखित प्रश्नों में से केवल दो का उत्तर दीजिए:–

(क) स्वप्नवासवदत्तम् का कर्ता कौन है? सप्रमाण बताइए।

(ख) वासवदत्ता और पद्मावती में से आपको कौन पसंद है?

(ग) भास के नाटकों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(घ) भास के नाट्यकला का विवेचन कीजिए। (२×१५)

प्रश्न–२ :निम्नलिखित पद्यों में से <u>किन्हीं चार</u> का प्रसंग निर्देशपूर्वक अनुवाद कीजिए:–

(क) पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवमासीच्छ्लाध्यं गमिष्यामि पुनर्विजयेन भर्तु:।
कालक्रमेण जगत: परिवर्तमाना, चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्ति:।।

(ख) प्रद्वेषो बहुमानो वा संकल्पादुपजायते।
भर्तृदाराभिलाषित्वदस्यां मे महती स्वता।।

(ग) कार्यं नैवार्थैर्नापि भोगैर्न वस्त्रै–
नहिं कापायं वृत्तिहेतो: प्रपन्न:।
धीरा कन्येयं दृष्टधर्मप्रचारा
शक्ता चारित्रं रक्षितुं मे भगिन्या:।।

(घ) गुणानां वा विशालानां सत्काराणां च नित्यश:।
कर्तार: सुलभा लोके विज्ञातारास्तु दुर्लभा:।।

(ड.) उपेत्य नागेन्द्रतुरंगतीर्णे तमारूणिं दारुणकर्म दक्षम्।
विकीर्णवाणोग्रतरंगभंगे महार्णवाभे युधि नाशयामि।।

(च) कातरा येऽप्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते।
प्रायेण हि नरेन्द्र श्री: सोत्साहैरेव भुज्यते।। (४×१०)

प्रश्न–३ :अधोलिखित उद्धरणों में से <u>किन्हीं दो</u> की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:–

(क) अनतिक्रमणीयो हि विधि:।

(ख) अयुक्तं परपुरूषसंकीर्तनं श्रोतुम्।

(ग) धन्या खलु–चक्रवाकवधू: यान्योन्यविरहिता न जीवति।

(घ) रज्जुच्छेदे के घटं धारयन्ति। (२×१०)

-*-*-*-